- (ग) उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (वेतन और सेवा शर्ते) संशोधन विधेयक, 2015;
- (घ) भारतीय न्यास (संशोधन) विधेयक, 2015;
- (ङ) परमाणु ऊर्जा (संशोधन) विधेयक, 2015; और
- (च) उद्योग (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2015.
- 6. राज्य सभा की प्रवर समिति द्वारा प्रतिवेदन रूप में भू-संपदा (विनियमन और विकास) विधेयक, 2013 पर विचार और पारित करना।
- 7. लोक सभा द्वारा पारित और राज्य सभा की प्रवर समिति द्वारा प्रतिवेदिन रूप में संविधान (एक सौ बाईसवां संशोधन) विधेयक, 2014 पर आगे और विचार तथा पारित करना और
- 8. लोक सभा द्वारा पारित किए जाने के पश्चात राष्ट्रीय जलमार्ग विधेयक, 2015 पर विचार तथा पारित करना।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you very much. Now, I will take up Zero Hour notices. ... (Interruptions)... Okay; what does LoP want to say?

RE. DEMAND FOR SUSPENSION OF LISTED BUSINESS FOR DISCUSSING SITUATION IN ARUNACHAL PRADESH

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद): सर, मैंने नोटिस दिया है कि आज के बिजनेस को स्थगित कर अरुणाचल की स्थिति पर चर्चा होनी चाहिए। सर, आज पांचवां दिन है, जबकि अरुणाचल प्रदेश को लेकर सदन में गतिरोध चल रहा है और इसके चलते सदन में, हमारे चाहने के बावजूद, कोई काम नहीं हो पा रहा है। उसके लिए हमने कहा है कि गवर्नमेंट ऑफ इंडिया जिम्मेदार है। सर, जिस तरह से गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि, माननीय गवर्नर साहब, ने चीफ मिनिस्टर को पूछे बगैर, कैबिनेट को पूछे बगैर, उनकी अनुमति और उनकी request के बगैर विधान सभा का सेशन बुलाया था और माननीय गवर्नर साहब ने जिस तरह से एजेंडा पूरी विधान सभा में तय किया था कि किसे हटाना होगा, कौन चेयर पर बैठेगा, कौन सा item पहले लेना होगा, कितनी देर में उसका जवाब माननीय गवर्नर साहब तक पहुंचना चाहिए, यह असंवैधानिक था।

सर, भारत के इतिहास में आज तक न तो राष्ट्रपति ने और न ही किसी गवर्नर ने कैबिनेट की मर्जी के बगैर पार्लियामेंट या विधान सभा का सेशन बुलाया है और न ही किसी राष्ट्रपति, स्पीकर या गवर्नर ने विधान सभा को यह डायरेक्शन दी है कि कौन चेयर पर बैठेगा या कौन नहीं बैठेगा, किस वक्त बैठेगा, पहले सेशन में कौन बैठेग और पहले सेशन में कौन सा item लिया जाएगा, किसे हटाया जाएगा और उसका पता त्रंत शाम को उन्हें दिया जाना चाहिए। सर, ये तमाम चीज़ें भारत के इतिहास में पहली दफा हो रही हैं और हिंदुस्तान के संविधान की धज्जियां उड़ायी जा रही हैं।

सर, एक और घटना हुई है। सर, लॉ एंड ऑर्डर स्टेट सब्जेक्ट होता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति होती है ... कि स्टेट गवर्नमेंट में लॉ एंड ऑर्डर की प्रॉब्लम होती है। पुलिस उस लॉ एंड ऑर्डर की सिचुएशन को कंट्रोल करने में असफल हो जाती है। कभी स्टेट गवर्नमेंट को लॉ एंड ऑर्डर को कंट्रोल करने के लिए paramilitary forces की जरूरत पड़ती है और कभी-कभी army भी बुलाई जाती है। यह कोई नई बात नहीं है, लेकिन चाहे army बुलाने का काम हो या लॉ एंड ऑर्डर को मेंटेन करने के लिए paramilitary forces की जरूरत हो, यह ऑर्डर स्टेट गवर्नमेंट देती है। गवर्नर कभी यह requisition नहीं करता। हां, गवर्नर तब requisition करता है, जब गवर्नर रूल हो या प्रेजिडेंट्स रूल हो। जम्मू और कश्मीर में तो हमने कई सालों से देखा है। यह कोई नई बात नहीं है। वहां Armed Forces का स्पेशल एक्ट भी है। उसके बावजूद भी लॉ एंड ऑर्डर के लिए paramilitary forces को न तो गवर्नर बुला सकता है और न ही वे अपने आप intervene कर सकते हैं, जब तक कि उनको स्टेट गवर्नमेंट requisition करें और बुलाए।

अरुणाचल प्रदेश में इलेक्टेड गवर्नमेंट है और वह two-third majority से इलेक्टेड है। वहां चीफ मिनिस्टर हैं, मिनिस्टर्स हैं। उनकी मर्जी के बगैर, उनकी जानकारी के बगैर * मुझे अफसोस है कि केन्द्रीय सरकार ने उसको accept कर लिया। ...(व्यवधान)...

آقائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد): سر، میں نے نوٹس دیا ہے کہ آج کے ہزنس کو استهگت کر اروناچل کی استثنی پر چرچہ ہونی چاہئے۔ سر، آج پانچواں دن ہے، جبکہ اروناچل پردیش کو لے کر سدن میں گئی۔رودھہ چل رہا ہے اور اس کے چلتے سدن میں، ہمارے چاہئے کے باوجود، کوئی کام نہیں ہو پا رہا ہے۔ اس کے لئے ہم نے کہا کہ گوورنمینٹ آف انڈیا نمہ دار ہے۔ سر، جس طرح سے گوورنمینٹ آف انڈیا کے پرئی ندھی، مائنے گورنر صاحب، نے چیف منسٹر کو پوچھے بغیر، کیبئیٹ کو پوچھے بغیر، ان کی اجازت اور ان کی ریکویسٹ کے بغیر ودھان سبھا کا سیشن بلایا تھا اور مائنے

صاحب نے جس طرح سے ایجنڈا پوری ودھان سبھا میں طے کیا تھا کہ کسے بٹانا ہوگا، کون چیئر پر بیٹھے گا، کون سا آتٹم پہلے لینا ہوگا، کتنی دیر میں اس کا جواب مائنے گورنر صاحب تک پہنچنا چاہئے، یہ غیر انینی تھا۔

سر، بھارت کی تاریخ میں آج تک نہ تو راشٹریتی نے اور نہ ہی کسی گورنر نے کیبنیٹ کی مرضی کے بغیر پارلیمنٹ یا ودھان سبھا کا سیشن بلایا ہے اور نہ ہی کسی راشٹریتی، اسپیکر یا گورنر نے ودھان سبھا کو یہ ڈائریکشن نہیں دی ہے کہ کون چیئر پر بیٹھے گا یا کون نہیں بیٹھے گا، کس وقت بیٹھے

^{*} Expunged as ordered by the Chair.

[†]Transliteration in Urdu script.

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

گا، پہلے سیشن میں کون بیٹھے گا اور پہلے سیشن میں کون سا آنٹم لیا جانے گا، کسے بٹایا جانے گا اور اس کا پتہ فورا شام کو انہیں دیا جانا چاہئے۔ سر، یہ تمام چیزیں بھارت کی تاریخ میں پہلی دفعہ ہو رہی ہے اور ہندوستان کے انین کی دھجیاں اڑائی جا رہی ہیں۔

سر، ایک اور گھٹنا ہوئی ہے۔ سر، لاء اینڈ آرڈر اسٹیٹ سبجیکٹ ہوتا ہے، کبھی کبھی ایسی حالت ہوتی ہے۔

کہ اسٹیٹ گوورنمینٹ میں لاء اینڈ آرڈر کی پرابلم ہوتی ہے، پولیس اس لاء اینڈ آرڈر کی سچویشن کو کنٹرول کرنے میں ناکام ہو جاتی ہے۔ کبھی اسٹیٹ گوورنمینٹ کو لاء اینڈ آرڈر کو کنٹرول کرنے کے لئے پیراملٹری فورسیز کی ضرورت پڑتی ہے اور کبھی کبھی آرمی بھی بلائی جاتی ہے۔ یہ کوئی نئی بات نہیں ہے، لیکن چاہے آرمی بلانے کا کام ہو یا لاء اینڈ آرڈر کو مینٹین کرنے کے لئے پیراملٹری فورسیز کی ضرورت ہو، یہ آرڈر اسٹیٹ گوورنمینٹ دیتی ہے۔ گورنر کبھی یہ requisition نہیں کرتا ۔ بال گورنر تب سالوں سے یہ دیکھا ہے۔ یہ کوئی نئی بات نہیں ہے۔ وہاں آرمڈ فورسیز کا اسپیشل ایکٹ بھی ہے۔ اس کے باوجود بھی لاء اینڈ آرڈر کے لئے پیراملٹری فورسیز کو نہ تو گورنر بلا سکتا ہے اور نہ ہی وہ اپنے آپ باوجود بھی لاء اینڈ آرڈر کے لئے پیراملٹری فورسیز کو نہ تو گورنر بلا سکتا ہے اور نہ ہی وہ اپنے آپ requisition کرے اور بلائے۔

اروناچل پردیش میں البکٹڈ گرورنمینٹ ہے اور و • two-third majority سے البکٹڈ ہے۔ وہاں چیف متسٹر ہیں، منسٹرس ہیں۔ ان کی مرضی کے بغیر ، ان کی جانکاری کے بغیر کے معیے افسوس ہے کہ مرکزی سرکار نے اس کو accept کر لیا۔۔(مداخلت)۔۔۔)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; please. ... (Interruptions)...

SHRI GHULAM NABI AZAD: I will just take one minute only. ...(Interruptions)...
I will conclude in one minute. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; already the motion is pending with the hon Chairman ... (Interruptions)... So, why do you discuss that? ... (Interruptions)...

SHRI GHULAM NABI AZAD: Sir, I am not abusing anybody. ...(Interruptions)... I am not ...(Interruptions)... I am just concluding. ...(Interruptions)... I am just concluding. ...(Interruptions)... सर, इस तरह से पिछले दो दिनों में यह कार्रवाई हुई और हजारों लोगों ने विधान सभा को घेर लिया, जिसके चलते विधान सभा में कार्यवाही नहीं हो पाई। अगर

^{*} Expunged as ordered by the Chair.

21

कार्यवाही नहीं हो पाई तो विधान सभा रुक सकती थी, लेकिन एक community hall में अलग से parallel विधान सभा चली और उस community hall में स्पीकर को हटा दिया गया। कल एक रेस्टोरेंट में ...(व्यवधान)...

ِ آ**جنابِ غلام نبی آزاد :** سر، اس طرح سے بچھلے دو دنوں میں یہ کاروانی ہوئی اور بزاروں لوگوں نے ودھان سبھا کو گھیر لیا۔ جس کے چاتے ودھان سبھا میں کاروائی نہیں ہو یاتی۔ اگر کاروائی نہیں ہو پائی تو ودهان مبها رک سکتی تھی، لیکن یہ کمیونٹی ہال میں الگ سے parallel ودهان سبها چلی اور اس کمیونٹی بال میں اسپیکر کو بٹا دیا گیا۔ کل ایک ریسٹورینٹ میں ۔۔(مداخلت)۔۔

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE (SHRI PRAKASH JAVADEKAR): Sir, point of order. ...(Interruptions)... Point of order. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Point of order. ...(Interruptions)... Point of order. ...(Interruptions)...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Point of order, under Rule 238. ...(Interruptions)... See, the issue is very simple. I will not be lengthy. ... (Interruptions)... The substantive ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. ... (Interruptions)... I have allowed the point of order. ...(Interruptions)... You please sit down. ...(Interruptions)...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Substantive motion is already under your consideration. ... (Interruptions)... Substantive motion is under your consideration because you cannot ... (Interruptions)... One minute! ... (Interruptions)... One minute! ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. ... (Interruptions)...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: The matter which is sub judice ... (Interruptions)... The matter on which the High Court has already given some decision and by any means you cannot again start discussion on Governor's conduct without Chairman deciding on the substantive motion. ...(Interruptions)... That is my point of order. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is valid. ...(Interruptions)... No; that point is valid. ...(Interruptions)... No, no; please. ...(Interruptions)... No; I am not allowing. ...(Interruptions)... No, LoP is still speaking. ...(Interruptions)... Hon. LoP please. ...(Interruptions)...

SHRI GHULAM NABI AZAD: Sir, I would reply to that. ... (Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: See, that point of order is valid because the motion is with the hon. Chairm an ...(Interruptions)... So, until and unless the Chairm an allows the motion, we cannot have a detailed discussion. ...(Interruptions)...

श्री गुलाम नबी आज़ादः सर, मेरा यह कहना है ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापतिः आप conclude कीजिए। So, please conclude. ...(Interruptions)...

श्री गुलाम नबी आजादः परसों सबस्टेंटिव मोशन दिया है, लेकिन घटना तो आज हुई है। माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि यहां इस पर चर्चा नहीं हो सकती है। भारत के तमाम चैनल्स पर इस पर चर्चा हो सकती है, लेकिन सदन में नहीं हो सकती है, ...(व्यवधान)... Council of States में नहीं हो सकती है ...(व्यवधान)... यह कैसे हो सकता है? ...(व्यवधान)... सब चैनल्स पर हो रहा है। ...(व्यवधान)...

آجفاب غلام نبی آزاد: پرسوں سیسٹینٹیو موشن دیا ہے، لیکن گھٹٹا تو اج ہوئی ہے۔ مائئے منتری جی کہہ
رہے ہیں کہ یہاں اس پر چرچہ نہیں ہو سکتی ہے۔ بھارت کے نمام چینلوں پر اس پر چرچہ بوسکتی ہے،
لیکن مدن میں نہیں ہوسکتی، ۔۔(مداخلت)۔۔ Council of States میں نہیں ہوسکتی ہے ۔۔(مداخلت)۔۔ یہ
کیسے ہوسکتا ہے؟ ۔۔(مداخلت)۔۔ سب چینلوں پر بورہا ہے ۔۔(مداخلت)۔۔۔)

SHRIPRAKASH JAVADEKAR: Sir, again, I have a point of order..... (Interruptions)... It is under Rule 238(i)..... (Interruptions)... It says, "refer to any matter of fact on which a judicial decision is pending." ... (Interruptions)...

श्री गुलाम नबी आज़ादः सर, रूत है।...(व्यवघान)... सर, देश के हर एक चैनल पर यह चर्चा हो रही है।...(व्यवघान)... सर, मैं conclude करना चाहता हूं।...(व्यवघान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude. ... (Interruptions)... LOP, please conclude. ... (Interruptions)... Please conclude. ... (Interruptions)...

श्री गुलाब नबी आज़ादः सर, मैं conclude करना चाडता हूं कि गवर्नर साडब ने डाउस को समन करने का जो ऑर्डर दिया था, * ...(व्यवघान)... पूरी कार्यवाडी को ...(व्यवघान)... पूरी

[†]Transliteration in Urdu script.

^{*} Expurged as ordered by the Chair.

कार्यवाही को in abeyance कर दिया है ...(व्यवघान)... in abeyance कर दिया है।...(व्यवघान)... इसलिए जो हाई कोर्ट ने कहा है ...(व्यवघान)... कि यह unconstitutional चीज हुई है ...(व्यवघान)... जब इस सरकार के द्वारा ...(व्यवघान)... और* ...(व्यवघान)...

کردیا ہے۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ اس in abeyance کردیا ہے ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ in abeyance پوری کارروائی کو چیز ہوئی ہے۔ ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ جب unconstitutionalئے جو بائی کورٹ نے کہا ہے ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ کہ یہ ﷺ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ * اس سرکار کے ذریعہ ۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ اور آ

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. ... (Interruptions) ...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, the matter is sub judice. ... (Interruptions)...

श्री गुलाम नबी आज़ादः ऐसे गवर्नर को एक मिनट भी गवर्नर की कुर्सी पर रहने का हक नहीं है। ...(व्यवचान)... ऐसे गवर्नर को recall करना चाहिए। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The LOP, please(Interruptions)... The LOP, please(Interruptions)... The LOP, please sit down.....(Interruptions)... Please, listen.....(Interruptions)... The position is(Interruptions)... Please.....(Interruptions)... Only the position is that hon. Chairman has admitted the motion(Interruptions)... Only the question of time is to be decided.(Interruptions)... In view of that fact, no further discussion because it is going to be discussed.(Interruptions)... So this subject cannot be raised now.(Interruptions)... The motion is admitted by hon. Chairman....(Interruptions)... Only time is to be decided.(Interruptions)... Your motion is also there.....(Interruptions)... The motion of the LOP is there....(Interruptions)... Therefore, no more discussion now....(Interruptions)... A discussion will take place....(Interruptions)... So no more discussion on that subject....(Interruptions)... Therefore, I am taking up Zero Hour....(Interruptions)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF MINORITY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI): Six, one minute. ... (Interruptions)...

[†] Iransliteration in Urdu script.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No discussion on that.

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: No discussion on that. ... (Interruptions)...

सर, मेरी request यह है कि जब substantive motion चेयरमैन साहब के पास है, तो लीडर ऑफ दि अपोजिशन ने जो कहा है, उसे रिकॉर्ड से बाहर किया जाए। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Any aspersion against the Governor will be expunged. ...(Interruptions)...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Okay. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Any aspersion against the Governor will be expunged. ...(Interruptions)... Now, Zero Hour submissions. ...(Interruptions)... Shri A.U. Singh Deo. ...(Interruptions)... Because motion is admitted. ...(Interruptions)...

श्री वी.पी. सिंह बदनौर (राजस्थान)ः आप बोलने का मौका नहीं देंगे ...(व्यवधान)... हम क्या कर सकते हैं? ...(व्यवधान)... अगर असेम्बली को भंग कर दें, ...(व्यवधान)... तो आप क्या करेंगे, आप ही बताएँ। ...(व्यवधान)...

श्री के.सी. त्यागी (बिहार)ः सर, मेरी बात भी सुनी जाए। ...(व्यवधान)... सर, एक मिनट, मेरी बात सुन ली जाए। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Motion is coming. ...(Interruptions)... You can speak at that time. ...(Interruptions)...

DR. K. KESHAVA RAO (Andhra Pradesh): Sir, I have a point of order. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Dr. Keshava Rao, you have not given any notice. ...(Interruptions)... Have you given any notice? ...(Interruptions)...

DR. K. KESHAVA RAO: Sir, hear me ...(Interruptions)... I want to say something about the rules. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There is a point of order from Dr. K. Keshava Rao. ...(Interruptions)... What is your point of order? ...(Interruptions)...

DR. K. KESHAVARAO: Sir, the issue raised by the LOP is entirely a different thing.(Interruptions)... He raised it under Rule 167.(Interruptions)... What he is saying is about what has happened in Arunachal.(Interruptions)... He was trying to discuss the role of Governor(Interruptions)... I am not discussing that at all.(Interruptions)... It is not under Rule 167.(Interruptions)... I am raising the basic issue.(Interruptions)... The Constitution is being violated.(Interruptions)... I am not interested whether it is

about Arunachal or a Governor. ...(Interruptions)... I am posing a straight question to you. ...(Interruptions)... It is provided in the Rules with you and provided against them as far as the Constitution is concerned. When the Constitution is totally violated and vindicated by the High Court ...(Interruptions)... I am on a point of order. ...(Interruptions)... When the Constitution is violated notwithstanding what is there in the Rule 167 the spirit of that matter be taken up ...(Interruptions)... Let me complete. You please read articles from 168 to 174. They explain how the Assembly is to be constituted, what is the membership of the constitution, the procedures of the Assembly. I am not discussing about the Governor at all. I am not discussing about the Assembly at all.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am not a constitutional expert.

DR. K. KESHAVA RAO: My point of order is about the Constitution. I am asking the Chair, if the Constitution is violated in such a vulgar fashion, what should this House do? As the LOP has rightly said ... (Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Dr. Keshava Rao, that is why hon. Chairman has informed that he has admitted the motion. ...(Interruptions)... When the motion is taken up, you can discuss it. ...(Interruptions)... When the motion is taken up, you can discuss it. You have every right to discuss it. Who is preventing you? Dr. Keshava Rao, the point raised by you, you can raise it when the motion is taken up. Hon. Chairman has admitted the motion. You sit down.

श्री के.सी. त्यागीः सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. K.C. Tyagi, what is your point? Mr. Tyagi, since the motion is going to be discussed, there is no point in raising it now here. Don't raise it.

श्री के.सी. त्यागीः सर, मेरा एक निवेदन है, मैंने रूल 267 के तहत नोटिस दिया है। ...(व्यवधान)... सर, ये दोनों बड़ी पार्टियां हैं। मैं दोनों पार्टियों से निवेदन करना चाहता हूं, चाहे बीएसपी हो या एसपी, आरजेडी हो या जेडीयू, डीएमके हो या अन्ना डीएमके, टीएमसी हो, सीपीएम हो या सीपीआई ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All are equal for the Chair. ...(Interruptions)... मेरे लिए सभी ईक्वल हैं।...(व्यवधान)...

श्री के.सी. त्यागीः सर, आप मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... इन पार्टियों को सबसे ज्यादा खतरा है कि संविधान पर जो प्रहार हो रहे हैं ...(व्यवधान)... ये सब जो बीच में पार्टियां हैं ...(व्यवधान)... सर, आप मेरी बात सुनिए, ये कभी न कभी, किसी न किसी समय इसका शिकार रही हैं। सर, मैं अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के मामले में आपसे निवेदन करना चाहता हूं, मैं कोई राजनीति नहीं करना चाहता। म्यांमार और चीन के साथ उसका लम्बा बॉर्डर लगा हुआ है।

[श्री के. सी. त्यागी]

सर, जनरल जे.जे. सिंह से लेकर लेफ्टिनेंट जनरल निर्मय शर्मा तक, जो भी आर्मी के हेड वहां के गवर्नर रहे हैं ...(व्यवधान)... सर, यह मैं यह इस इंटरेस्ट में कहना चाहता हूं, जैसे वर्तमान में जम्मू-कश्मीर का मामला है, वहां पर चाहे इनकी सरकार बन या उनकी बने, हमें राजनीति नहीं करनी चाहिए। मेरा निवेदन है कि जो गवर्नर आपने यहां से भेजा, उसके, अरुणाचल प्रदेश और असम के टेरिटोरियल डिस्प्यूट्स रहे हैं। सर, ऐसे समय में आप जो कह रहे हैं, चूंकि जो बीच में पार्टियां हैं, ये इन फैसलों से हर रोज़ प्रभावित होती हैं।

सर, यह आज की बात नहीं है, यह सिलसिला 1957 से शुरू हुआ है, जो 2015 तक पहुंच गया है। गवर्नर की भूमिका को लेकर और आर्टिकल 356 को लेकर ऐसा कभी भी नहीं हुआ। ...(व्यवधान)... गलितयां इन्होंने भी की हैं, लेकिन ऐसी गलती कभी नहीं हुई कि डांस बार में बैठकर एलएलएज़ की मीटिंग करें। ...(व्यवधान)... आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ है। ...(व्यवधान)... How can you hold meeting in the restaurant?

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब)ः सर, डिस्कशन से पहले ये इस पर डिस्कशन कैसे कर सकते हैं?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: When we take up the subject, at that time, you can discuss it. ...(Interruptions)... Tyagiji, when we take up the subject, you can raise this point. You will be allowed to speak. ...(Interruptions)... Now, Zero Hour.

श्री के.सी. त्यागीः सर, अगर वहां के हाईकोर्ट का फैसला नहीं आया होता ...(व्यवधान)... अगर गुवाहाटी हाई कोर्ट का फैसला नहीं आया होता, तो मैं खड़ा नहीं हुआ होता। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापतिः ठीक है, आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्री के.सी. त्यागीः सर, गुवाहाटी हाई कोर्ट का कहना है ...(व्यवधान)... सर, डिसीज़न में गुवाहाटी हाई कोर्ट का कहना है कि *इसलिए उस गवर्नर को एक पल के लिए भी वहां नहीं रहना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापतिः यह सबको मालूम है। ...(व्यवधान)... डिस्कशन के टाइम आप इसको रेज़ कीजिए, अभी आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... Now, Zero Hour submission, Mr. A.U. Singh Deo.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Concern over growing disparity between Civil Services and Armed Forces

SHRI A.U. SINGH DEO (Odisha): Sir, there is an urgent ...(Interruptions)... डिफेंस में OROP के लिए सरकार ने बहुत कुछ किया है और बहुत कुछ करना है। ...(व्यवधान)... अब

^{*}Expunged as ordered by the Chair.